M.A. Semester-III Examination 2016
Hindi
Course - X
भक्तिकाव्य

Time : 3 Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in margin

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए– 2×8=16

(क) संतो भाई आई ग्यांन की आंधी रे
भ्रम की टाटी सबै उडाँणी; माया रहै न बाँधी
हितिचित की द्वै थूंनीं गिरानी मोह बलिंडा तूटा
त्रिस्नां छांनि परि घर ऊपरि, सुबुधि का भांडा फूटा
आँधी पीछै जो जल बूठा प्रेम हरि जन भींनां।
कहै कबीर भांन के प्रगटे उदित भया तम षींना

(ख) फागु करहिं सब चांचरि जोरी। मोहिं तन लाइ दीन्ह जस होरी
जो पै पीउ जरत अस पावा। जरत मरत मोहिं रोष न आवा
राति दिवस बस यह जिउ मोरे। लगौं निहोर कंत अब तोरे
यह तन जारों छार कै कहौं कि 'पवन! उड़ाव'।
मकु तेहि मारग उड़ि परै, कंत धरै जहं पाव।।

(ग) आयो घोष बड़ो ब्योपारी।
लादि खेप गुन ज्ञान-जोग की ब्रज में आनि उतारी
फाटक दै कर हाटक मांगत भोरे निपट सु धारी
धुर ही तें खोटो खायो है लये फिरत सिर भारी।।

(घ) जे चरन सिव अज पूज्य रज शुभ परसि मुनि पतिनी तटी
नख निर्गता मुनि बंदिता गौलोक पावनि सुरसती
ध्वज कुलिस अंकुस कंज जुत बन फिरत कंटक किन लहे
पद कंज द्वंद मुकुंद राम रमेस नित्य भजामहे।।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 2×12=24

(क) कबीर के काव्य में निहित मानवतावादी चेतना पर प्रकाश डालिए।

(ख) जायसी के विरह-वर्णन की विशिष्टता पर विचार कीजिए।

(ग) 'भ्रमरगीत सार' के माध्यम से सूरदास द्वारा स्थापित सगुन भक्ति के महत्व पर प्रकाश डालिए।

(घ) 'रामचरित मानस' के उत्तर कांड में प्रतिस्थापित राम के उदात्त स्वरूप का परिचय दीजिए।